	भौतिक शास्त्र एवं कृषि मौसम विज्ञान विभाग जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर कृषि मौसम सलाह सेवाएँ *(Project Sponsored by IMD, MoES, New Delhi)*	

सलाहकार समिति के सदस्यः डॉ. डी. पी. शर्मा, डी. ई. एस., सस्य विज्ञान डॉ. अनय रावत, फल विज्ञान –डॉ. रीना नायर, सब्जी विज्ञान – डॉ. प्रियंका दुबे, कीट विज्ञान – डॉ. एस. बी. दास, पौध रोग विज्ञान –डॉ. आशीष गुप्ता, कृषि मौसम विज्ञान – डॉ. मनीष भान, पशु विज्ञान – डॉ. अनिल सिंदे

वर्ष–2021	अंक–78	दिनांक 17 से 21 नबम्बर 2021	दिनांक: 16.11..2021

(जिला जबलपुर के लिए जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर एवं मौसम केन्द्र भोपाल द्वारा संयुक्त रूप से जारी)

आगामी पॉच दिनो का मौसम पूर्वानुमानः–

भारत सरकार के भारत मौसम विज्ञान विभाग भोपाल से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जबलपुर तथा इसके आस–पास के क्षेत्रों में आगामी 5 दिनों में आसमान में घने बादल रहने एवं वर्षा होने की संभावना है। हवा 7.5 से 11.2 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से विभिन्न दिशाओं से चलने की संभावना है। अधिकतम तापमान 28.0 से 29.0 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 13.0–17.0 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का पूर्वानुमान है।

मौसमी तत्व /दिनाँक	17/11/2021	18/11/2021	19/11/2021	20/11/2021	21/11/2021
वर्षा (मि.मी.)	0	5	33	1	4
अधिकतम तापमान (डि.से.)	28	29	28	28	29
न्यूनतम तापमान (ड़ि.से.)	13	15	16	16	17
आपेक्षित आद्रता (सुबह)	75	81	89	81	80
आपेक्षित आद्रता (षाम)	38	57	63	59	55
हवा की गति (कि.मी./घण्टा)	9.7	9.8	11.2	8	7.5
हवा की दिशा	उत्तर–पूर्व	उत्तर–पूर्व	उत्तर–पूर्व	पूर्व	पूर्व
बादलों की स्थिति	मध्यम	घने	घने	घने	घने

मौसम आधारित साप्ताहिक कृषि परामर्श दिनांक 17 से 21 नबम्बर 2021

सामान्य सलाह	• आने वाले पॉच दिनों में जबलपुर जिलें में घने दर्जे के बादल रहने एवं हल्की से मध्यम वर्षा की सम्भावना है। • खाली खेतों की जुताई करें तथा उचित तापकम (27-28 ^{0}C) होने पर आगामी फसल तोरिया, चना,मसूर तथा मटर की बोनी करें। • खेतों की जुताई पश्चात पाटा चलाएँ, ताकि मृदा की नमी को वातावरण में जाने से रोक सकें।
मटर (बुवाई)	• इस मौसम में अगेती मटर की बुवाई कर सकते हैं। उन्नत किस्म के बीजों को कवकनाशी उपचार करें उसके बाद फसल विशेष राईजोबियम से करें। राईजोबियम को बीज के साथ मिलाकर उपचारित करके सूखने के लिए किसी छायेदार स्थान में रख दे तथा अगले दिन बुवाई करें।
धान	• पकी हुई धान की कटाई वर्षा की सम्भावना को देखते हुए करें। एवं कटी हुई धान की वर्षा से सुरक्षा करें।
गेहूँ	गेहूँ की उन्नत किस्मों की वुआई हेतु :– सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होने पर गेहूँ की बुवाई बीजोपचार उपरांत करें। किसान भाई, गेहूँ की उन्नत किस्में कुछ इस प्रकार है: **अ. शीघ्र पकने वाली:–** (सिंचित किस्में) – जे. डव्ल्यू 3336, एच. डी. 2864, लोक–1, एच. आई. 1534 **ब. मध्यम पकने वाली:–** (सिंचित किस्मे) – जी. डब्ल्यू– 322, जे. डव्ल्यू 3211, जे. डव्ल्यू 3020, जे. डव्ल्यू 3382, जे. डव्ल्यू 3352, एच. आई. 1544, तेजस, एच. आई. 8759, डी.डी डव्ल्यू. 47, जी. डब्ल्यू– 451 **स. देर से पकने वाली–** (असिंचित किस्में) – सुजाता, सी–306, एच. आई. 1531, एच. आई. 3288, **द. 1–2 पानी वाली किस्में–** जे. डव्ल्यू 3173, जे. डव्ल्यू 3020,
चना	चने की उन्नत किस्में : चने की बुवाई बीजोपचार, ट्राइकोडरमा विरडी एवं राइजोवियम कल्वर उपरांत करें। किसान भाई, चने की उन्नत किस्में कुछ इस प्रकार है: **देशी : शीघ्र पकने वाली (105–110 दिन):–** जे. जी. 11, जे. जी. 12, जे. जी. 14, **मध्यम अवधि पकने वाली (120–125 दिन):–** जे. जी. 16, जे. जी. 315, जे. जी. 63, जे. जी. 130, जे. जी. –36 **कावुली:** जे. जी. के. – 5 • उपयुक्त तापक्रम एवं पर्याप्त नमी होने की दशा में अनुसंशित प्रजातियों की बोनी करें।
अरहर (वनस्पतिक अवस्था):	• फसल में पत्ती लपेटक कीट दिखने पर इमिडाक्लोपरिड 2 एम. एल. दवा प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
फलदार वृक्ष	• वृक्षों के आसपास नींदा नियंत्रण करें एवं अनुशंसित खाद एवं उर्वरकों का उपयोग करें। • सूखी व कीटग्रस्त शाखाओं की कटाई करें।
सब्जियां	• माहू के प्रकोप से बचाव हेतु neem soap (1.0 %) अथवा neem seed kernel extract (4.00 %) का छिड़काव करें। • भिंडी की फसल में पीत शिरा रोग के लक्षण दिखना प्रारंभ हो गये है यह वायरस जन्य रोग है। अतः इसकी रोकथाम के लिए क्लोरोपायरीफोस 2.5 मिली/लीटर का छिड़काव करें। • इस मौसम में किसान अपने खेतों की नियमित निगरानी करें। यदि फसलों व सब्जियों में सफेद मक्खी या चूसक कीटों का प्रकोप दिखाई दें तो इमिडाक्लोप्रिड दवाई 1.0 मि. ली. प्रति 3 लीटर पानी में मिलाकर छिड़-काव आसमान साफ होने पर सुबह या शाम को करें। • इस मौसम में सब्जियों (मिर्च, बैंगन) में यदि फल छेदक, शीर्ष छेदक एवं फूलगोभी व पत्तागोभी में डायमंड़ बेक मोथ की निगरानी के लिए फीरोमोन प्रपंच 4–6 प्रति एकड़ की दर से लगाए तथा प्रकोप अधिक हो तो स्पेनोसेड़ दवाई 1.0 मि.ली. प्रति 4 लीटर पानी में मिलाकर छिड़-काव आसमान साफ होने पर करें।

	• मिर्च तथा टमाटर के खेतों में विषाणु रोग से ग्रसित पौधों को उखाड़कर जमीन में गाड़ दें। यदि प्रकोप अधिक है तो पायेमेट्राजीन 50% डब्लूजी @ 300ग्रम/हे. की दर से छिड़काव आसमान साफ होने पर करें ।
पशु एवं मुर्गी पालन	• पशुओं में ऐसे मौसम में किलनी न होने दे इसलिए परजीवी नाशक दवाई का पशुओं के शरीर एवं बाढ़े के स्प्रे करें। • पशुओं एवं मुर्गियों मे अतः कृमि नशक दवाई पिलाएं। • जानवरों को हरे चारे हेतु बरसीम की बुवाई करें। • आसमान में बादल रहने पर मुर्गी घरों में प्रकाश की अवधि बढ़ाएँ ताकि अण्डा उत्पादन में गिरावट न हो।

नोडल आफीसर

दिनांकः 16 नबम्बर 2021